

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी सवाई माधोपुर

अपील संख्या 09/2018



1. धर्म सिंह
2. बनैसिंह पुत्रान भुल्लन
3. अंगूरी
4. कान्ति
5. कल्याणी
6. मीरा पुत्रीयान भुल्लन समस्त जाति माली, निवासीयान काछीपुरा (सीलोती) तहसील मासलपुर जिला करौली।

अपीलांत

बनाम

1. सीताराम पुत्र शिवचरण आयु 47 साल
2. जौहरी पुत्र लल्लू आयु 57 साल
3. श्रीमती ब्रहम्माबाई पत्नी सीताराम आयु 42 साल
4. शिवचरण पुत्र मिचुआ आयु 72 साल
5. प्रकाश पुत्र शिवचरण आयु 42 साल

रेस्पोंडेंटान

एवं

अपील संख्या 10/2018

1. धर्म सिंह
2. बनैसिंह पुत्रान भुल्लन
3. अंगूरी
4. कान्ति
5. कल्याणी
6. मीरा पुत्रीयान भुल्लन समस्त जाति माली, निवासीयान काछीपुरा (सीलोती) तहसील मासलपुर जिला करौली।

अपीलांत

31.1.20
राजस्व अपील अधिकारी
सवाई माधोपुर

बनाम

1. जौहरी पुत्र लल्लू
2. महेश पुत्र शंकर
3. सरस्वती बेवा शंकर जाति माली निवासी काछीपुरा (सीलोती) तहसील मासलपुर जिला करौली
4. विक्रम
5. छुट्टन, पिसरान शंकर नाबालिग वली संरक्षक माता सरस्वती बेवा शंकर जाति माली निवासी काछीपुरा (सीलोती)
6. पुष्पा
7. पिस्ता
8. रेशम

9. रूपा पुत्रीयान शंकर नाबालिग जरिये वली संरक्षक माता सरस्वती बेवा शंकर माली निवासी काछीपुरा (सीलोती) तहसील मासलपुर जिला करौली।
10. रामस्वरूप
11. रामजीत
12. राजेन्द्र
13. मुकेश पिसरान शंकर जाति माली निवासीयान काछीपुरा (सीलोती) तहसील मासलपुर जिला करौली
14. तहसीलदार मासलपुर लैण्ड होल्डर तहसील मासलपुर जिला करौली

रेस्पोंडेंडान

(अपील विरुद्ध निर्णय न्यायालय सहायक कलेक्टर, करौली
मु0न0 63/2015 एवं मु0न0 64/2015 निर्णय दिनांक 30.11.17)

उपस्थित अभिभाषक

1. अपीलांतान की ओर से श्री विष्णु चन्द बंसल
2. रेस्पोंडेंडान की ओर से श्री श्याम बाबू शर्मा

निर्णय

दिनांक 31.01.2020

अपील संख्या 09/2018 व 10/2018 के समान पक्षकार एवं विषय विस्तु होने पर एक साथ निर्णय किया जा रहा है।

अपील संख्या 9/18 के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार से है कि अधिनस्थ न्यायालय में अपीलांत/सायलान की ओर से प्रार्थनापत्र 212 आर.टी.एक्ट इस आशय का पेश किया गया कि आराजी खसरा नम्बर 326 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा वाके ग्राम सीलोती तहसील मासलपुर में स्थित है जो सायल के कब्जे काश्त की आराजी है और इस रकबे के पूर्वी हिस्से में चाह बना हुआ है। इस चाह से आराजी खसरा नम्बर 324, 325 व 329 के 1/2 हिस्से की अपने पुत्र के खातेदारी में सिंचाई होती है। गैरसायलान का इससे कोई संबंध नहीं है। गैरसायलान ताकत एवं सजौर व्यक्ति है और ताकत के बल पर सायलान की खातेदारी में निर्मित चाह से अपनी खसरा नम्बर 329 के 1/2 हिस्से में जबरन सायल के इंजन रखने व सिंचाई करने पर उतारू है। दिनांक 05.11.2015 को गैरसायलान ने सायलान से कहा कि यातो राजीखुशी हम गैरसायलान को खसरा नम्बर 329 में सिंचाई करने दे बरना हम ताकत के बल पर सिंचाई करेंगे। सायलान ने खूब समझाया किन्तु गैरसायलान नहीं माने यदि गैरसायलान इस अनाधिकार कार्यवाही में कामयाब हो गये है तो सायलान के हक हकूक पर बाहरी आघात एवं अपूर्णाय क्षति होगी और मुकदमे बाजी बड़ेगी। गैरसायलान को ताफैसला दावा तक पाबंद फरमाया जावे। अन्त में प्रार्थना पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा सायल/अपीलांत का प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा अस्वीकार किये जाने से व्यथित होकर अपीलांत/सायलान द्वारा यह अपील इस न्यायालय में पेश की गई है।

राजस्व अपील अधिकारी
सवाई माधोपुर

अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की गई। रेस्पोंडेंटान को नोटिस जारी कर तलब किया गया। अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की जाकर बहस उभयपक्ष अभिभाषकों की सुनी गई।



अपील संख्या 9/18 के विद्वान अभिभाषक अपीलांट ने बहस अपील मीमो में वर्णित तथ्यों को दौराते हुए बताया कि आराजी खसरा नम्बर 326 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा वाके में सीलोती तहसील मासलपुर में स्थित है जो अपीलांट के कब्जे काश्त की आराजी है और इस रकबे के पूर्वी हिस्से में चाह बना हुआ है। इस चाह से आराजी खसरा नम्बर 324, 325 व 329 के 1/2 हिस्से की अपने पुत्र के खातेदारी में सिंचाई होती है। रेस्पोंडेंट का इससे कोई संबंध नहीं है। रेस्पोंडेंट ताकत एवं सजौर व्यक्ति है और ताकत के बल पर अपीलांट की खातेदारी में निर्मित चाह से अपनी खसरा नम्बर 329 के 1/2 हिस्से में जबरन अपीलांट के कुआ पर इंजन रखने व सिंचाई करने पर उतारू है। दिनांक 05.11.2015 को रेस्पोंडेंट ने अपीलांट से कहा कि यातो राजीखुशी हम रेस्पोंडेंट को खसरा नम्बर 329 में सिंचाई करने दे बरना हम ताकत के बल पर सिंचाई करेंगे। यही वाद कारण होने के कारण अधिनस्थ न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। परन्तु अधिनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलांट का प्रार्थना पत्र अस्वीकार कर अपीलांट के पिता की खातेदारी की आराजी ख0न0 326 में स्थित कुए से पानी देने लेने हेतु उभयपक्ष को वाद के निस्तारण तक पाबन्द किया है। जो विधि विरुद्ध है। अपीलांट के पिता द्वारा राजस्व रिकार्ड जमाबंदी सम्मत 2068-71 एवं नक्शा ट्रेस पेश किया है। जिसमें चाह अपीलांट के पिता व अपीलांट की तरफ से सन 2000 से हो रही है। जिसका रेस्पोंडेंट ने जवाब प्रस्तुत कर कथन किया है कि चाह खसरा नं0 326 में नहीं होकर 327 में होना बताया है जबकि स्वयं रेस्पोंडेंट नं0 2 ने रेस्पोंडेंट नं0 1 के हक में दिनांक 08.10.15 को खसरा नं0 327 के 1/4 हिस्सा एवं खसरा नं0 329 के 1/2 हिस्से का बयनामा पंजीयन भूमि को विक्रय कर कराया है और उक्त बयनामा में रेस्पोंडेंट नं0 1 व 2 द्वारा चाह ख0न0 327 में होना अंकित नहीं किया है। जिससे स्पष्ट है चाह ख0न0 327 में नहीं होकर ख0न0 326 में है। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा आराजी ख0न0 326 में स्थित चाह से सिंचाई करते रहने के आदेश विधि विरुद्ध रूप से रिकार्ड के विपरीत पारित किया है। जो निरस्त योग्य है। रेस्पोंडेंट द्वारा चाह ख0न0 327 में होना बताया है जबकि इस प्रकार का कोई दस्तावेज उनके द्वारा पेश नहीं किया गया है। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा इन सभी तथ्यों की अनदेखी कर विधि विरुद्ध निर्णय पारित किया है। जो निरस्त योग्य है। अतः अपीलांट की अपील स्वीकार फरमाई जाकर अधिनस्थ न्यायालय का निर्णय अपास्त फरमाया जावे।

अपील संख्या 9/18 की बहस अपील में रेस्पोंडेंट के विद्वान अधिवक्ता का कथन रहा कि ख0न0 326 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा ग्राम सीलोती में रेस्पोंडेंट 2 के पिता लल्लू की संयुक्त खातेदारी व कब्जे काश्त की रही है। ख0न0 327 में नये चाह का निर्माण अपीलांट

व रेस्पो0 के पिता लल्लू व शंकर ने आधा आधा पैसा लगाकर सम्वत 2032 मे शामिल खुदवाया था। उसी समय से कुआ पर सिचाई हेतु इंजन रखकर करते आये है। इसी कुऐे अन्य ख0नम्बरान की सिचाई होती है। ख0न0 326 के अन्दर कोई कुआ नहीं है। ख0न0 327 मे कुआ निर्मित है। कुऐे पर अपीलांट व रेस्पो0 का आधा आधा हिस्सा है दोनो के इंजन रखे हुए है। विवादित आराजी दोनो भाईयो लल्लू व भूल्लन की खातेदारी की आराजी है। दोनो के मध्य मु0न0 130/91 जरिये राजीनामा डिग्री हुआ है। राजीनामा व डिग्री मे ख0न0 327 मे गैर मुमकिन चाह 1/2, 1/2 दोनो की खातेदारी मे रहेगा अभिलिखित है। इस प्रकार अधिनस्थ न्यायालय द्वारा एक दुसरे की जमीन की सिचाई समय समय पर होती रहे उभयपक्ष को पाबन्द किया है जो विधि अनुरूप है। जिसमे किसी प्रकार की कोई त्रुटी नहीं है। अतः अपीलांट की अपील खारिज फरमाई जावे।



अपील संख्या 10/18 के तथ्य संक्षिप्त मे इस प्रकार से है कि ख0न0 327 रकबा 2 विस्वा चाही ग्राम सीलोती तहसील मासलपुर मे स्थित है। जो सायलान 1 ता 9 व गैरसायलान 1,6,7 की सुयक्त खातेदारी व कब्जे काश्त की पुश्तैनी भूमि है। इस भूमि से लगती पुश्तैनी जमीन ख0न0 326,328,329,325 स्थित जो ख0न0 327 की बीच मेड मे सायलान व गैरसायलान नम्बर 1,6,7 ने अपना निजी पैसा लगाकर सम्वत 2032 मे नया कुआ का निर्माण कराया। जिसमे आधा आधा पैसा लगाया गया। मौके पर दो इंजन लगे हुए है। जिससे अपनी अपनी भूमि की सिचाई करते चले आ रहे है। गैर सायलान 1 चालाक किस्म का व्यक्ति है उसने राजस्व कर्मचारियो से मिलकर ख0न0 327 की मेड मे बने कुऐे को ख0न0 326 के अन्दर नक्शे मे जीरो मार्क से अंकन करा लिया। सायलान से कहने लगा कि कुआ हमारा है और इंजन को हटाओ तथा झगडा करने पर आमदा हो गया। सायलान को कुऐे से बेदखल करने पर आमदा हो गया। इस चाह को सायलान 1/2 की खातेदारी कराने का अधिकारी है। गैरसायलान सायलान को मौके से बेदखल करने पर आमदा हो गये है। अतः सायलान का प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर गैरसायलान को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द फरमाया जावे। इस प्रकार की इस्तदुआ अधिनस्थ न्यायालय से चाही जाने पर अधिनस्थ न्यायालय द्वारा उभयपक्ष को विवादित कुऐे के संबंध मे वाद के निस्तारण तक पाबन्द किये जाने से व्यथित होकर अपीलांट द्वारा यह अपील इस न्यायालय मे पेश की गई है।

अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की गई। रेस्पोडेंटान को नोटिस जारी कर तलब किया गया। अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की जाकर बहस उभयपक्ष अभिभाषकों की सुनी गई।

अपील संख्या 10/18 के विद्वान अभिभाषक अपीलांट ने बहस अपील मीमो में वर्णित तथ्यों को दौराते हुए बताया कि अधिनस्थ न्यायालय खिलाफे कानून रूहेदाद मिसिल है और विधि विरुद्ध है जो निरस्त किये जाने योग्य है। निर्णय दिनांक 30.11.17 अधिनस्थ



न्यायालय पूर्णतया आवीट्रेरी है। परिवरिश रेस्पोजेन्ट है और निरस्त किये जाने योग्य है। अधिनस्थ न्यायालय ने जैर अपील निर्णय पत्रावली पर प्रस्तुत राजस्व रिकार्ड के विपरीत मनमाने तरीके से विधि विरुद्ध रूप से पारित किया है। रेस्पोजेन्ट नं० 1 ता 9 ने अपीलांट गैरसायलान के विरुद्ध खसरा नं० 327 रकबा 2 बिस्वा ग्राम सीलाती में चाह मानते अपीलांट को अस्थायी निषेधाज्ञा से चाह से सिंचाई करने में व्यवधान नहीं करने को प्रार्थनापत्र 212 आर.टी.एक्ट प्रस्तुत किया था जिसका जवाब अपीलांटस द्वारा प्रस्तुत कर कथन किया गयाथा कि खसरा नं० 327 में कोई चाह नहीं है बल्कि चाह खसरा नम्बर 326 में अपीलांटस के पिता ने सन 2000 में निर्माण किया है और उक्त चाह से अपीलांटस गैरसायलान की भूमि की सिंचाई करने हेतु इंजन लगा रखा है दिनांक 25.11.15 से पूर्व रेस्पोजेन्ट नं० 1ता० 9 का कोई इंजन खसरा नं० 326 में स्थित चाह पर नहीं रखा हुआ था और रेस्पोजेन्ट नं० 1 ता० 9 द्वारा जबरन ताकत के बल पर दिनांक 25.11.2015 को खसरा नं० 326 में स्थित चाह पर अतिचार कर कर जबरन ताकत के बल पर इंजन रख दिया जिसकी अपीलन्ट नं० 2 ने पुलिस थाना मासलपुर में मुकदमा नं० 260/15 दर्ज कराया था और प्रार्थनापत्र रेस्पोजेन्ट नं० 1 ता 9 खारिज किये जाने का निवेदन किया फिर भी अधिनस्थ न्यायालय द्वारा निर्णय रिकार्ड के विपरीत किया है। अपीलांट के पिता ने रेस्पोजेन्ट नं० 1 के विरुद्ध एवं सीताराम पुत्र शिवचरण, ब्रहम्माबाई पत्नि सीताराम व शिवचरण पुत्र मिचुआ व प्रकाश पुत्र शिवचरण के विरुद्ध ख०न० 326 मे अपीलांट के पिता द्वारा निर्मित चाह व अपीलांट के पिता के खातेदारी भूमि ख०न० 326 मे कब्जे काशत मे बाधा नही करने एवं ख०न० 326 मे स्थित चाह से रेस्पोजेन्ट नं० 1 व जौहरी वगै० द्वारा ख०न० 329 जो रेस्पोजेन्ट की खातेदारी की 1/2 हिस्से की है की सिंचाई नही करने की अस्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। अपीलांट के पिता द्वारा उक्त प्रार्थना पत्र के साथ जमाबंदी सम्वत 2068-71 व नक्शा ट्रेस ख०न० 326 प्रस्तुत किया गया है। जिसमे चाह अपीलांट के पिता व अपीलांट की तरमीम सन 2000 से ही हो रही है। जिसका रेस्पोजेन्ट ने जबाब प्रस्तुत कर कथन किया कि चाह ख०न० 326 मे नही होकर 327 मे होना बताया है। जबकि दिनांक 8.10.15 को हुए बयनाम मे ख०न० 327 मे चाह नही होना अंकित किया है। इससे स्पष्ट है कि चाह ख०न० 327 मे न होकर 326 मे है। फिर भी अधिनस्थ न्यायालय द्वारा रेस्पोजेन्ट को पाबन्द नही कर ख०न० 326 के रिकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाई रखे जाने के आदेश पारित किये है। जो विधि विरुद्ध है। अपीलांट ख०न० 326 के तन्हा खातेदार है यह स्वीकृत तथ्य होने के उपरान्त भी अधिनस्थ न्यायालय द्वारा आलोच्य निर्णय पारित किया है। जो निरस्त योग्य है। अतः अपीलांट की अपील स्वीकार फरमाई जाकर अधिनस्थ न्यायालय का निर्णय अपास्त फरमाया जावे।

अपील संख्या 10/18 मे रेस्पोजेन्ट के विद्वान अधिवक्ता ने बहस मे बताया कि ख०न० 327 रकबा 2 बिस्वा चाही ग्राम सीलाती तहसील मासलपुर मे स्थित है। जो रेस्पोजेन्ट 1 ता 9 व गैरसायलान 1,6,7 की सुयक्त खातेदारी व कब्जे काशत की पुश्तैनी भूमि है। इस भूमि से



लगती पुश्तैनी जमीन ख0न0 326,328,329,325 स्थित जो ख0न0 327 की बीच मेड मे रेस्पो0 व अपीलांटान नम्बर 1,6,7 ने अपना निजी पैसा लगाकर सम्वत 2032 मे नया कुआ का निर्माण कराया। जिसमे आधा आधा पैसा लगाया गया। मौके पर दो इंजन लगे हुए है। जिससे अपनी अपनी भूमि की सिचाई करते चले आ रहे है। अपीलांट न0 1 चालाक किस्म का व्यक्ति है उसने राजस्व कर्मचारियो से मिलकर ख0न0 327 की मेड मे बने कुए को ख0न0 326 के अन्दर नक्शे मे जीरो मार्क से अंकन करा लिया। विवादित आराजी दोनो भाईयो लल्लू व भूल्लन की खातेदारी की आराजी है। दोनो के मध्य मु0न0 130/91 जरिये राजीनामा डिग्री हुआ है। राजीनामा व डिग्री मे ख0न0 327 मे गैर मुमकिन चाह 1/2, 1/2 दोनो की खातेदारी मे रहेगा अभिलिखित है। अपीलांट इस आराजी मे स्थित चाह को 1/2 हिस्से का खातेदारी घोषणा कराने का अधिकारी नही है। इस प्रकार अधिनस्थ न्यायालय द्वारा जो निर्णय पारित किया गया है दोनो पक्षो के हितो को ध्यान मे रखकर ही पारित किया है। जिसमे किसी प्रकार की कोई त्रुटि नही है। अतः अपीलांट की अपील खारिज फरमाई जावे।

उक्त दोनो अपीलो पर उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ताओ की बहस पर मनन किया। पत्रावली का आधोपान्त अवलोकन किया गया। प्रस्तुत राजस्व रिकार्ड नकल जमाबंदी 2068-71 ख0न0 327 रकबा 0.02 है0 मे 0.01 है0 पर जाव व 0.01 है0 चाही प्रथम दर्ज रिकार्ड है। जो लल्लू, भुल्लन पिसरान धुन्धी काछी सा0देह हिस्सा बरावर दर्ज है। जिसमे वारिसान के नामा0 का नोट भी लगा हुआ है। ख0न0 327 मे चाह रिकार्ड मे दर्ज है परन्तु वास्तव मे चाह ख0न0 327 मे बना हुआ है या नही यह वाद मे तय किया जावेगा। प्रस्तुत नक्शा ट्रेस मे दर्शित गोल बिन्दु यह स्पष्ट है कि ख0न0 326 मे कुआ बना हुआ है जिसके उपयोग उपभोग बाबत अधिनस्थ न्यायालय द्वारा निर्णय पारित किया है। चूकि: वर्तमान समय मे फसल लगभग तैयार है जिसमे पानी की सघन आवश्यकता होती है। इसलिए अधिनस्थ न्यायालय द्वारा जो निर्णय पारित किया गया है वह दोनो पक्षो के हितो को ध्यान मे रखकर ही किया गया है। जिसमे किसी प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता प्रतीत नही होने से अपीलांट की अपील खारिज किया जाना उचित है।

अतः अपीलांट की अपील खारिज की जाती है तथा अधिनस्थ न्यायालय सहायक कलेक्टर करौली का मु0न0 63/15 व 64/15 निर्णय दिनांक 30.11.17 को यथावत रखे जाते है। निर्णय की प्रति दोनो पत्रावलियों मे पृथक पृथक संलग्न की जावे।

निर्णय आज दिनांक 31.01.2020 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

An 31.1.20
(बी. एन. रमण)
राजस्व अपील अधिकारी
सवाई माधोपुर
सवाई माधोपुर

